

भारत सरकार  
इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 3982  
27 मार्च, 2026 को उत्तर के लिए

**भारत में एसएआईएल इस्पात संयंत्रों की स्थिति**

3982. डा. सस्मित पात्रा:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पाँच वर्षों के दौरान स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएआईएल) द्वारा संचालित इस्पात संयंत्रों की वर्तमान परिचालन क्षमता, क्षमता उपयोग और वित्तीय प्रदर्शन का संयंत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इन संयंत्रों की परिचालन दक्षता, आधुनिकीकरण संबंधी आवश्यकताओं और वित्तीय स्थिरता का कोई आकलन किया है, यदि हाँ, तो उसके मुख्य निष्कर्ष क्या हैं;

(ग) क्या सरकार एसएआईएल के किसी भी इस्पात संयंत्र के संबंध में विस्तार, रणनीतिक विनिवेश, संयुक्त उद्यम, परिसंपत्ति मुद्रीकरण या किसी अन्य पुनर्गठन उपायों पर विचार कर रही है; और

(घ) बढ़ती घरेलू मांग और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को देखते हुए एसएआईएल के संयंत्रों के आधुनिकीकरण, क्षमता विस्तार और प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए भविष्य की रूपरेखा क्या है?

**उत्तर**

**इस्पात राज्य मंत्री**

**(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)**

(क) क्षमता उपयोग और परिणामस्वरूप, वित्तीय निष्पादन विभिन्न कारकों जैसे आवधिक रखरखाव या उन्नयन, बाजार की मांग, कच्चे माल की गुणवत्ता और उपलब्धता, लॉजिस्टिक प्रबंधन की दक्षता आदि पर निर्भर करता है। वर्ष 2020-21 से 2024-25 की अवधि के दौरान, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने 90.8% के औसत क्षमता उपयोग के साथ 19.676 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की प्रचालन क्षमता बनाए रखी। सेल ने वित्त वर्ष 2024-25 में ₹1,01,716 करोड़ का वार्षिक कारोबार और ₹11,764 करोड़ का कर पूर्व उपार्जन, कर, मूल्यहास और परिशोधन (ईबीआईटीडीए) दर्ज किया। सेल की संयंत्र-वार क्षमता और औसत क्षमता उपयोग इस प्रकार है:

जारी.....2/

क्र. सं.	संयंत्रवार	क्षमता (एमटीपीए)	वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक औसत क्षमता उपयोग (%)
1.	भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी)	6.16	83.2
2.	दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डीएसपी)	2.2	101.6
3.	राउरकेला स्पात संयंत्र (आरएसपी)	3.8	103.8
4.	बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल)	4.6	87.8
5.	इस्को इस्पात संयंत्र (आईएसपी)	2.5	91.6
6.	मिश्रधातु इस्पात संयंत्र (एसएसपी)	0.234	39.8
7.	सेलम इस्पात संयंत्र (एसएसपी)	0.18	73

एमटीपीए - मिलियन टन प्रति वर्ष

(ख) से (घ): सरकार लगातार सेल की दक्षता और कार्य-निष्पादन का आकलन करती है। इसके परिणामस्वरूप बेहतर प्रक्रिया अनुकूलन, उत्पादकता, बेहतर कोक दर और बेहतर ऊर्जा दक्षता प्राप्त हुई है।

सेल प्रौद्योगिकी-आर्थिक व्यवहार्यता, मांग अनुमानों और वित्तीय विवेक के आधार पर अपने संयंत्रों की क्षमता वृद्धि करता है। सेल बोर्ड ने इस्को इस्पात संयंत्र में 4.08 एमटीपीए के ग्रीनफील्ड विस्तार और दुर्गापुर इस्पात संयंत्र में 0.89 एमटीपीए तथा बोकारो इस्पात संयंत्र में 2.65 एमटीपीए के ब्राउनफील्ड विस्तार को मंजूरी दी है।

\*\*\*\*\*